पटना विवि में गांधी फेलोशिप के लिए हुआ प्लेसमेंट

मंगलवार को पीरामल फाउंडेशन की ओर से गांधी फेलोशिप के लिए प्लेसमेंट ड्राईव का आयोजन पटना कॉलेज के परीक्षा भवन में किया गया. इस ड्राईव में पटना विश्वविद्यालय के 170 से ज्यादा विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण करवाया जिसमें 70 को जीडी और इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था. इंटरव्यूवर ने साईकोमेट्रीक टेस्ट, ग्रुप डीस्कसन और इंटरव्यू के द्वारा विद्यार्थियों को समझने की कोशिश की।

पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रास बिहारी सिंह ने परीक्षा भवन में विजिट कर विद्यार्थियों की हौसलाअफजाई की और कहा कि हम विद्यार्थियों को अपना भविष्य बनाने में मदद के लिए मौके उपलब्ध करवाते रहेंगे. और हम चाहेंगे कि हमारे विद्यार्थी जीवन में बेहतर करें और स्वयं और परिवार के साथ विश्वविद्यालय का नाम रौशन करें. कुलपति के साथ डीएस डब्ल्यू प्रो. एन के झा, प्लेसमेंट सेल संयोजक, डॉ. एल एल चक्रवर्ती, पटना कॉलेज के प्रिसिंपल आर एस आर्या और कॉलेज ऑफ ऑर्टस एंड क्राफ्ट के प्रिंसिपल डॉ. अजय कुमार पांडेय मौजूद थे।

यह प्लेसमेंट ड्राईव पटना विवि प्लेसमेंट सेल और मेधा के सहयोग से आयोजित की गई थी.

पीरामल के प्रतिनिधि परिक्षित मुंडा ने कहा कि देश के युवाओं को बेहतरीन दिशा देने में फेलोशिप एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. यह विद्यार्थियों को दो साल के रेसिडेंशियल फेलोशिप देता है. जिसमें वो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकास के लिए कार्य करते हैं. फेलोशिप 15 से ज्यादा राज्यों में चल रही है. इसमें विद्यार्थियों को 14 हजार रूपये स्टाईपेंड के अलावा रहने और बाकी जरूरी चीजें उपलब्ध करवाई जाती है ।

बिहार में भी किशनगंज, अररिया, बेगुसराय शेखपुरा आदि जिलों में फेलोशिप चलता है. इसकी शुरुआत साल 2008 में हुई थी।

गांधी फेलो फेलोशिप के बाद देश भर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं।